श्याम मेरा रुतबा बढ़ा दिया | By Ravi Sharma

रुतबा बढ़ा दिया श्याम मेरा रुतबा बढ़ा दिया
कंकर को मोती बना के तूने रुतबा बढ़ा दिया

भूल गए थे सब अपने, बेगाने हो गए
तुमने क्या मंतर मारा ये जग अपना बना दिया

बेहतो के संग तो बहते मैंने अब तक देखे
तूने रुके हुए को पकड़ के ऊँगली संग में बहा लिया

दास रवि को नहीं फिकर अब जो हो जैसा हो
जब तूने नालायक अपने लायक बना लिया

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b6%e0%a5%8d%e0%a4%af%e0%a4%be%e0%a4%ae-%e0%a4%ae%e0%a5%87%e0%a4%b0%e0%a4%be-%e0%a4%b0%e0%a5%81%e0%a4%a4%e0%a4%ac%e0%a4%be-%e0%a4%ac%e0%a4%a2%e0%a4%bc%e0%a4%be-%e0%a4%a6%e0%a4%bf%e0%a4%af/